

नमोदाभाग १ किष्कजिभाग १ सेतो निराभा
भाग १ हसभाग १ गारकाद्या १ पाकोदिगजार
कमिसाई बलमापिनीकपरद्धि १ विनअंगुलामाजात
तितातापादिसंगमान् भोकलाग १ वायुद्वय १ पेठ
गोलाजा १ अथ संयचुर्गाम् १ कुमायाको संयभाग १ सिधान
नभाग १ मरिचभाग १ भुयोभाग १ विपलाभाग १ सोधो
दिगभाग १ ॥ येकाठाउमापिनि विनअंगुलामाचयउन्पागरि
तातापादिसंगमान् ॥ सवैखुदजान् भोकलाग १

वनमागाईले जो व साको गुणी गाणा व नुर गुई गा ज लां नु
आ जो मया पक्षीः असल सुगंधा व काल नु आ जो मया पक्षी
मासा सभर अफी न तोला मर मरी व दवे व ल गरी वार तो
ला व भुत मा मि लाई पल ग न र ड प त नी नी को दं क ५५५ =
स्वास्ति धा मार ए प त मो दा च र ए दुसा दि इ ति को स्थानं दु लो
म व डु डु स्पा क म व.

स्वास्ति श्री गिरी श्री राजे च कुच्यु द म शि न र
त्या दी वि वि वी

बेलको काष्ठ कहिन्छ ॥ बेलको जरा भाग १ गुज
ग १ येति दुवै थोक काष्ठ पकाई ॥ मह संग घातु
तक फलति नै र पवार भया को व मन निको हो ॥ तस्यै प्रकार ॥

फेरि कै रुवा को काष्ठ कहिन्छ ॥ कै रुवा को काष्ठ आठ कदोरा
पानि हाली ॥ ते सै मा कै रुवा हालनु ॥ सात कदोरा पानि सु
काई येक कदोरा राखि दुधानु ॥ संपूर्ण पित्त जान्छ ॥ ३

ज्योगराजको अंगु पान ॥ ॐ ॥ राहना भन्पाको गाइ तेवा आ हो ॥ ते
स्काकाथ संग घानु ॥ नाना प्रकार का सेवे वात जा ॥ घिरा उल्लाका
काथ संग घानु ॥ पित्त जा ॥ चोत्रा का काथ संग घानु ॥ प्रमेह जा ॥
गाइ का गहुत संग घानु ॥ पांडुरोग जा ॥ निमका काथ संग घानु ॥ कुस
हरेण जा ॥ गर्जा का काथ संग घानु ॥ हसी वात जा ॥ पुनर्नवा
का काथ संग घानु ॥ संपूर्ण पेटको रोग जा ॥ कार्तिक मरु संग घानु
कफ जा ॥

अरु वषधिये

गुग्गुलुसो धन विधि ॥ ॥ गुग्गुलुसिलोटा मापिहु ॥ छुगा
न ॥ त्रिफला गुर्जाकाकाय मापकाउनु ते से मापिउ पनि मिम
नन्दा आगा मापकाउनु वा सोदधि घाम सुकाउनु ॥ छुद्रहा

ते से मा नि स्याउ न्याव सधि ॥ सुद्यो भाग १ पिपला भाग १ चा
भो भाग १ पिपलु जरि भाग १ चित्तो भाग १ घिउ मा फुराया को
हिग भाग १ अजमेरा भाग १ पहिलो सट्पे भाग १ जिरा भाग १
किष्क जिरा भाग १ सेवालिका बीजां भाग १ इद्रजो का बिजां भा
ग १ वाटुल पात्पाको जरा भाग १ वायु विछंग भाग १ गज पिपला

भाग १ कुट्टकि भाग १ अतिरुभाग १ वनभाग भाग १ वा
शे भाग १ मुकुलो भन्पाको ॥ ॐ ॥ हरि भाग २ वर भा
ग २ अवला भाग २ येति सवे वषधि पिनि कपर्धन गरि
येक पट्टि सवे औसधि ॥ येक पट्टि सोध्याको गुगुल ॥ येति येके टा
उमिसा इपिनु ॥ छिउमिसा उनु ॥ सुद्रहो ॥ गालि वषेर प्रमान
षादु ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

येक पट्टि सवे वषधि येक पट्टि सोध्याको गुगुल योहवेव
र गरि मिलाइ ॐ गाइ छु मिलाइ पिनु

जेष्ठलवांगादिचुरंगम
॥ न्वांगभाग १ अंगर
भाग १ समयभाग १ वंसलोचनभाग १ पिपलाभा
ग १ दालचिनीभाग १ तेजपातभाग १ श्रीखंडभा
ग १ सुटाभाग १ जिराभाग १ किष्कजिराभाग १
वशिरभाग १ नाशकेसरभाग १ सुखमेरुभाग १
कंकालमरिचभाग १ जाइफलभाग १ जटामसिभाग १
निलकमलभाग १ कमलगद्दभाग १ कपूरभाग आधा ॥

यति सवे येक गट्टा गरि॥ पिनि कप छर्नि गरि॥ आधा यो ब सवे
वस धि॥ वरो वर चि नि मि साइ खल गर्नु॥ तिन अंगुल मा जति
आवस॥ उति ताता पानि संग यातु॥ भोक लाग॥ सह संग
याया प्रमै हजा॥ गाहका दुद संग याया॥ धातु पछाहा॥ वल
वाछा॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

~~जे से पुत्र माये संति पान म दाना दिना यो धदि पाने से रत्ना क~~
~~वेन को का कौने को निमा म म रिने स कोर स सी र्वा न दिनु मि को हो~~

२१
षो किको ओषधि ॥ मरिच भाग १ पिपला
भाग २ सुयो भाग ३ जौषार भाग ४ पिपल जरि भाग ५
दाडिम भाग ६ गुड भाग ७ येति ओषधिये कगद्वा गरि
पिनी ॥ आलाप्रमान गोली बनाई ताता पा नि संग या न ॥ सर्वे
घोर्क नि को हो ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

जो रं प्राप्ति सवि पात भया मा विनु का करे को विद्या दना २१ होरा पुनु
भले से तो दु भान भया दु मे के सुता ॥ वद म मा सा मा धा ॥
जि पंद मा सा मा धा ॥ सात गे राज पु के रावे को ॥
परि वार न रि ये ल मा सा मा धा ॥ सगे ये त था क ध ल रि वा त दि नु नि पे हो

मुसमाथरिरामयामालाउन्पावसधि॥ चमेलिकापात

भाग१ पुनर्नवाकाजडाभाग१ गजपिपलाभाग१

लालअरिडुकाजराकोवोकोभाग१ कुठभाग१

वोरोभाग१ सुठोभाग१ जवानुभाग१

हराभाग१ ॥ ॥ ॥ ॥

येतिथोकसमभागगरियेककडागरिबलमापिनिक्पछनिग

रिपानीमापिनिवयेरप्रमानवरितुल्पाइ॥ चाममासुकाउनु॥ मर

थिवाटकपराकोछयागरिसुकाउनु॥ येकयेकवरिसुबमा

हालिराखनु॥ मुसकासवेरागजान्छ॥ हातवेलियोडंछ॥ ॥

हालि राय नमः ॥ मुख का सर्व रोग जान्छ ॥ दात वेलि पाहु छ ॥

~~मोक्ष वला उवाच~~ ॥ ० ॥

आषा दुष्णामा आषा नो वषति सि मुद्र फल र कसु सी—
छोटि बाहिर ले ननु पाई नु नी को दोखे ॥ १ ॥

आषा नो वषति दो— आधा लान कसु सी र ये क फल पाग
ये क ठोपा कसु वा तेन का म मा आ दामा छोटी आषा भीत्र जो म लेवा
वनु गमिले दुष्णामा को भयानी कोरु ॥ २ ॥

आषा नो वषति दो— राज विदो को गुदि व केवा सी नारय—
अं की म— य सर्वे ईसी हिली मरु गरी बाहिर ले ननु नु नी दोरु ॥

लोहामा न्पहि तो १ ॥ कानि सारलो हो को पा
ता पीठनु ॥ लाल गरि आगा मापोलनु ॥ गाहको गौतमा ला
त फेर पोल्न देवो भदे गर्नु ॥ फेरिलाल गरि ॥ गहत का
रसमा फेरा ७ वो भनु ॥ फेरि ७ फेरा दहि को रसमा चो
भनु ॥ फेरि महि को रसमा गहत को रसमा गुत्तमा ॥ इति ग्रंथा
कमाहा लिखे सरु गरि पकाउनु ॥ किंकर ध्यानमा सुका
उनु ॥ सक्यारित्तनु ॥ नसक्या साना साना डुकुरा पारि
विफलाहालि पकाउनु ॥ किंकि कनअलग गर्नु ९० ताल
लोहामा २ ताला पारे हाली मसिनगरि अलग गर्न दयेवा

कोशात् दीर्घकसा विष्णुना नदी

लोहोमा २ तोला पाणे हा लो मसि नगरि खल गन दयेव

कोरगात्र चीउकुमारिमाहाली हाडीमा १ दिन पकाउनु र कि
=मीउडिकोदुदमा मुक्किव कटिवनाई घाममुकाउनु ॥ फेरा ३
येसोतरहले आककादुदमा पुटदिनु फेरा ३ फेरियेसोतरहले
धिराकादुदमा पुटदिनु ३ फेरियेसोतरहले मष्ट्यासिकार
समापुटदिनु ॥ फेरा ३ ॥ फेरियेसोतरहले पाताल गमडी
कारसमापुटदिनु ॥ फेरा ३ ॥ फेरियेसोतरहले चरि अ
मिताकोरसमापुटदिनु ॥ फेरा ३ फेरियेसोतरहले ॥ ची
उकुमारिकारसमापुटदिनु ॥ फेरा ३ फेरियेसोतरहले गु
र्जाकारसमापुटदिनु ॥ फेरा ३ ॥ फेरियेसोतरहले ठुलो

कसयमास सिनुगारिषकटिधना

दुवाका रसमापुष्टदिनु ॥ फेरा ३ येसोतरहलेसकरकाजिका
रसमापुष्टदिनु ॥ फेरा ३ येसोतरहलेजान्यासम्मयेसो
तरहलेपुष्टदिनु ॥ ० ॥ पद्धिपंचामृतकोपुष्टदिनु ॥ शुद्धो
लोहाकोपुष्टदिना ॥ भुङ्क्तामाहाली ७ फेराकपरम
घीक्षगजपुष्टगर्नु ॥

अवरषवनाउन्पाहतो टिकहिन्छु ॥ पहिले अवर
सल्याई ॥ दल्लसिंछु गारागारिकेलाउनु र गौतमा मु
छनु ॥ घाममा सुकाउनु ॥ फेरि गहतको जेलमा मुछि
घाममा सुकाउनु ॥ सुक्यापछि ॥ ~~लल्लुनाला~~ ॥ घीउकु
मारि त्रिफला ॥ पारोनाला २ ॥ अवरष ॥ वोक्याको रंग
त ॥ आधामाना गाडको घीउ ॥ इसवेहाडी माहाली १ दी
न भरपकाउनु ॥ कि कि कन घाममा सुकाउनु र ॥ थल
मा घीउकु मारि कारस संग पिनु र ॥ लाडि चकटि वना
॥ सुकाउनु ॥ सुक्यापछि ॥ हाडी नीत्रहाली ॥ हाडीको मुख

अनिगजपुटदिनु॥ फेरि फि की सी उडी कांडुदमा म
सिनुगारिपिनि॥ चकिटिवनाश॥ हा डिमाहालि॥ मुस
अनिगजपुटदिनु॥ फेरा ३ ये सैवे होरा संग सवेव
टिमागजपुटदिनु॥ फेरि आ ककांडुदमा गजपुटफे
रा ३ फेरि थिरा कोरसमा मसिनुगारिपिचि॥ चकटिवनाइघा
समासुकाउनु॥ सुकापछि॥ हा डिमाहाली॥ मुसबंधगारि॥
गजपुटदिनु॥ ३ फेरु॥ फेरि ची उकुमारिकारसमा मलगारि
पुटदिनु ३ फेरि गुर्जाकारसमा मलगारिपुटदिनु॥ ३ फे

रिसतावरिकारसमाबलगरिफेरा ३ पुटदिनु॥ फेरिमुंडिको
रसमाबलगरिफेरा ३ पुटदिनु॥ फेरिचरिअमिलाकारसमा
बलगरिफेरा ३ पुटदिनु॥ फेरिआकासवेलिकारसमाबल
गरि॥ ३ फेरापुटदिनु॥ अकासवेदीभन्पाकोपातनभयाको
जरानभयाको॥ लवमालहराभैमुडियाको॥ तेसेलाइअका
सभमिंय॥ फेरिमुसलिकंदकोरसमाबलगरिफेरा ३
पुटदिनु॥ फेरिविरालिकंदकारसमाबलगरिफेरा ३
पुटदिनु॥ फेरिमक्ष्माक्षिकारसमाबलगरिफेरा ३ पुटदिनु॥

लीलु को जरा को रसना फेरा ३ पुट दिनु.

फेरि पाताल गरुडिकार समाखल गरि फेरा ३ पुट दिनु॥ फे
रि कालो धतुरा को विज पि धि॥ ते से का र समाखल गरि॥ फे
रा ३ पुट दिनु॥ फेरि भृंग राजकार समाखल गरि॥ फेरा ३
पुट दिनु॥ फेरि तुलसिकार समाखल गरि॥ फेरा ३ पुट
दिनु॥ फेरि अभिजात्पा को र समाखल गरि॥ फेरा ३ पुट
दिनु॥ फेरि मकर काजिकार समाखल गरि॥ फेरा ३ पुट
दिनु॥ जुन जुन धातु पृष्ठ गन्धी वीस धि वृत्त॥ उमे कार
माखल गरि॥ पुट दिने दे रहनु॥ चार पाच फेरा जति स

भाष्यलगाय पुढादबदरहनु ॥ चार पाच फराज तिस

किंछ ॥ रसदिदे ॥ पुढगदे ॥ रसदिदे ॥ पुढगदे ॥ जेनु ॥ पुढगदी हाडी
भो ॥ वपयभो ॥ मुडु ॥ लुकोभो ॥ कहतुराभो ॥ ज्या ज्या पाईछ ॥ उक्को
मुष्यु नि कन पुढदिनु ॥ पछि ॥ सबै पुढदि सक्या पछि ॥ अंमृति
कर्नगर्न्या ॥ गाह्यी ॥ उ ॥ मरु ॥ चिनि दुददहि लालि ते हि ॥ अबरु
बमिलाइ बल गरि पुढदिनु ॥ पुढदि ही कनु ॥ अलि कानो
भो भन्या ॥ नुल सिधि उकुमारि कारस मा पुढदिनु ॥ रंगन
आया समम पुढदिनु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

कृमि रोगना अनुभूत

म ८ थो

रवात दिनु

आयना

५५५

भोइ कि ॥ कुने चीज ॥

अजै पाल सो धन विधि ॥ १ ॥ दहि को पानी १ चउत्तानि १
नामिर को अमिलो १ इति नैथो कवरो वरगारि ॥ माय को
भाडो भयापनि ॥ फलाम को भाडो भयापनि ॥ ते स्मा अ
जै पाल को गेडा हलनु ॥ ति नैथो कर सम्राहालि ३ दिन
सम्र क मेले न देष न पाठा उमा राखि छोडनु ॥ चौथा दिन
माता हावाट अजै पाल का गेडा फिकि ॥ ति गेडा फो डि २
कपटे रागर्नु २ कपट्या एको मारु को जि अज स्तो चुरहुं
छ ॥ तपो चुर फालनु ॥ बाहा देषि ते अजै पाल को केलापा

छ॥ त्पाचुरफालनु॥ बाहादेयित्तअजपालकोकेसापा

कोवियाघलमापिनु॥ बाहादेयियायिकोटालोभयापनि॥
भोग्याकोटालोभयापनि॥ तेसमापेअजेपाल॥ पाचछय॥
दीनमाधाममासुकाउनु॥ बाहादेयिसेताकपराकाटाला
मापोकोवाधनु॥ गाईकोदुधतलवाटमंदाआचलेदुधप
काउनु॥ त्पेअजेपालकोपोकामाथिवाट॥ दुधलेनहुन्या
वाफलेर॥ फेनलेमात्रेभेदाउन्यागरि॥ १३॥ वरपकाउनु॥
शुद्धो॥ जुनबोयधिमाचाहिंद॥ उसेओयधिमाहालु॥

अथ चोडात्रलिवनाउन्पा विधि ॥ ॥ सिंगट्पवारद्विक्वा
कोपागेभाग १ सोध्या^{को} विषभाग १ गंधकभाग १
सोध्याकोहं रितालभाग १ वर्गभाग १ हर्गभाग १
अवलाभाग १ सुठेभाग १ सरिचभाग १
पिपलाभाग १ फुलायाको स्वागभाग १
सोध्याको अजैपालभाग १ भृंगराजकारसमाबलगर्नु
प्रहर १ निमुरसमेप्रहर २ अदुवारसमेप्रहर २ अ
कासवेलिकारसमेप्रहर २ गाइगौतमेप्रहर २ इति

कासवेलिकारसमेप्रहर २ गाइगौतमेप्रहर २ इति

बोयधिकासमा २।२ प्रहरसमस्तुदाजुहागारिपुष्पस्तिनु ॥
सूर्यपाकगर्नु ॥ दुलोकेराउप्रमानेगालितुल्पाउनु ॥ गा
इकामहि संग १४ दीनयानु ॥ संग्रनिजा ॥ अरिडकातेन
संगयानु दिन २१ बुद्धिवंतहो ॥ गार्इचीउसंग २ दिनया
नु ॥ सर्पकोविषजा ॥ अदुवाकारससंग १४ दीनयानु ॥
खोकिजा ॥ गोतसंग १४ दीनयानु ॥ सर्वजोरजा ॥ सेवा
लिकापातकारससंगयाया ॥ सबैवातजान् ॥ भोलाका
जगुकारससंगयानु ॥ ह्यरोगजा ॥ वायरिकाडुहसं

गमानु॥ देह पुष्ट हो॥ निम्बुकारससंग १४ दीनमानु॥ स
वैपित्तजान॥ आककादुदसंग १४ दीनमानु॥ सुदुदुष्यन्पा
जा॥ हर्गवर्गश्रवलाकारससंग २१ दीनमानु॥ तेजो
हो॥ अगारसंग १४ दीनमानु॥ रक्तपित्तजा॥ मोष्मासंग
१४ दिनमानु॥ पेटकोआडविकारजा॥ मिथीसंगमानु
पुष्ट हो॥ सैजनाकाजडाकारससंगमानु॥ शुलजा॥ ग
लाहनीकारससंग १४ दीनमानु॥ दाहानिकोहो॥ धतु रा

अलकैको संन ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ केकतीक रो रक ती. आ विरक
तीजो क ती. सो होवै. ये रस नारस दिसै उ मजे व क्षा दुर होवै.
बाद सवार प ठे तो उ मर मर न होवै. लक्ष्मकार प ठे तो परि
वार मर न होवै. यह मै न बुझार क्षा जा न के. न व जावै तो. बा
द सबुं हा ए मारी के ह न्या. रो म का सो ल ना. यह छा जि नै म
ह म द सा ह ने दी है. बुनिवा दि. प ठे. सु मे. छुटे स हि. ॥ वृहे
स निवा का दि न द सि उ दि न स म. दि को व र के रा. सु वि मे. था
उ. त वि पा ठ ग र. २ प्रकार को अलकै. छु ति हुं छ. सं दे ह
दे क. स ल प छ. ५ म म म ल ल द्या.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॥ ॥ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॥ ॥ ॥

अथ उदकमंजरिवनाउन्पाहतौदी ॥ ॥ ॥ ॥

सीगृष्वाटहिक्याकोपोराभाग १ ओलासारगंधकभा
ग १ फुरायाकोस्वागभाग १ मरिचभाग १ चिनी
भाग १ माछाकोपित्तभाग १

एतिसवैयेकगठगारि यलमाहालि पानिथपुतैपिन्धेगरि ३ ती
तिनरातसम्मपिन्धेगर्नु सिद्धहुंछ २ लालमात्रागर्नु ओला
कोजरोलाई पायातुलसि नपायाअहुवाकारससंग यानु ओ
लाकोजरोजा पत्थ्यभीडाकोतीहुन् गाइकोमहि मुगकोदाल भानुयानु

सर्वजरालाहअहुवाका
सर्वजरालाहअहुवाका
सर्वजरालाहअहुवाका

स्वेतप्रदर्वो ओसधि

का हा वै तो लो — १	अतिरस तो ला — ५	शरका दा म मोला — १
गुग्गुलि प्र तो ला — ५	को था तो ला — ५	त तो ला तो ला — १
अं गु तो ला — ५	वे ल तो ला — ५	कन वि ज तो ला — ५
पा वा न मे द तो ला — ५	लो ठ तो ला — ५	दु हा लं म तो ला — १
रसां ग न तो ला — ५	जे न तो ला — १	ध ग ग रे तो ला — ५
सि मि (न तो ला — ५	का फल को वा का तो ५	जे ठि म प्र तो ला — ५
म जि तो तो ला — ५	प्र रि च तो ला — ५	अ गुं र द द तो ला ५
द प के स (तो ला — ५	शु शो तो ला — ५	व ति च लं ग रि म ह च
के स र तो ला — ५	र ग न च द न तो ला ५	सं ग का र स्वेत प्र द र नि
		को ठं द म म

केसर तो ला ————— व र ग त र चंदन तो ला व कोउं ह ५ ॥

अथ लाक्षादि तैलं ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥
काचो धानिला हा १ तिलको तेल धानि ४ माला हा कोर सधानी १६
हालिते से तेल माला हा कोर स सुक न ज्वाल् सम्प का उतु फेरिते स्माओ
रुह स मुल् हा को देहि ————— वेल को जडा धानि १ गिन्पारि को
जडा धानि १ ॥ टया ला को जडा धानि १ सवारि को जडा धानि १
उला फ को जडा विसौली १ सातु भया ठुलो भया भन्या को सालि प
निष्टुष्ट भन्या को हा तेस्का जडा धानि धानि विहिका जडा धानि १
पनि

कंठकारिकोजडाधानि १ गोशुक्लविमोक्षि १ येस्कोकायमा
पानिजतिवाहियोपकार १६ पाथीवाकीराशि तेसतेलमाहा
मि भिजाउनु फेरिओरुवसधिहालुनु

कुरिलाकाजडाधानि ४ मापानिहालिपकार तेस्कोरस
पनि १६ पाथीतेसतेलमाहालिभीजाउनु फेरिओरुवसधिगा
इतेवासाकोजडाधानि १ पाथाराभेदकोजडाधानि १ बलुका
जडाधानि १ सेवालीकाजडाधानि १ सिन्काउलिकाजडा
धानि १ समयविमोक्षि १ लंकेस्वरिकाजडाधानि १

चाफा विसेली १ समग्र विसेली १ लंकेस्वरिका जडा धानि १

चाफा विसेली १ पाताल गरुडी काजरु विसेली १ वन भागा
काजरु धानि १ सिद्धमा कोजरु धानि १ येति पानि हली
पकाइ ते सतेल मा १६ पाथी हली काथ गरि सुकाउनु फेरिते लवणे
वरदहि हली सुकाउनु फेरिते सेवरा वर गाइ कोउर हातुनु वेस गरि प
काइ ते सतेल मा सुकाउनु ते सतेल मा वनि मिजाई वालुनु कान्ति तपो
वनि न करा या पछि सिद्ध हो ॥ ते स्मा पन्या सुगंधी दुव ॥
जाइ फल तोला १ श्री मंड तोला ४ जगम सिता ता ८ हाल चि
निता ता ३ जिरा तोला ३ कपुर तोला ३ कस्तुरि माता ३

ये सुगंधि पि धि जि क न्या वे ला मा ते से ते ल मा हा ल नु सिद्ध हे

अथ प्रागोश्वर वना उन्माजुक्ति

पारो भाग

१

गंधक भाग

२

अवरस भाग

१

येति निन थो क मु स लि कं द कार से मे घोट नु फेरि कांच का सि सि मे हा लि २ अहर सम स प
का उ नु फेरि तो सि सि मे मा जि कि ते स्को वो य धि स ह्न मा हा ली घोट नु ते स मा हा ल न्या

ओरु व य धि सा जि यार भाग

४

जवा यार भाग

४

सिधो नु न भाग

४

विश्या नु न भाग

४

भो ध्या नु न भाग

४

तस्या नु न भाग

४

आरिनुनभाग ४

मरिचभाग ४

पिपलाभाग ४

सुशेभाग ४

हरभाग ४

वरीभाग ४

ओलाभाग ४

घिउमाफुलायाको हिगभाग ४

सोधोगुलभाग ४

जकानुभाग ४ इडुजोभाग ४

स्वाणभाग ४

चितोभाग ४ चाफोभाग ४

सोधोको विषभाग आधा ॥ ऐति सर्वे औषधिपिधिकपर्जनगरिते सैवौ अधिमा मी लाउनु
 फलामका भाडा मारबनु ये सैवौ अधिको काष्ठ फलामका भाडामा पकाइ ते सैवौ अधिमा
 मिलाइ ५ दिन सम्म फेरिफेरि पकाउदै घाम सुकाउदै रगर्दै गर्नु सिधो हो

अथ प्रारोप्यरेको अनपान्

॥ ७ ॥ खाना लाइ वेधामा फेक्केको अनपान् कहिन्छ

सोहेबुछाह २ ताल वातघलाह ताल १

वाहक फ भयामा जरो भयामा जवान लाह मात्रा ला ल ३ कोमात्र ३ मरिच ३ ताता पा
नीस गखानु पित्तजरो भयामा तुल सिपत्रसग नभया ब्रह्मनिकारस सग खानु पित्तज
रोजा संनिपात भयामा पायादे विधान नपाया नागकेसका फुल सग खानु संनिपा
तजा अतिसार भयामा जिराजाई फल चो लानी सग मिलाह खानु अतिसारजा
सुल कोवेथा भयामा ताता पानि संग खानु सुल कोवेथा जा वमन कोवेथा भया
मा बेल को जडा को काय संग खानु नपाया चिसा पानि संग खानु धातु प्रेम ह भया
मा सुसलिकंदकारस सग खानु धातुजा सोहेबल छिन् भयामा वदाम सग खा
या बल वाड सवे रोग ला ग्यामा अनुपान नपाया पानि संग खानु सर्वे रोग जा

१९६९ मिमि अंकी का जे ए व दी २। ज प ना
दी

१८०६ ई. ११ म. १० दि. १५ रा. १५ म. १० से. १५ म. १० से. १५ म. १० से.
कोश र. १८ म. १० से. १५ म. १० से. १५ म. १० से. १५ म. १० से. १५ म. १० से.
२१ व. १० से. १५ म. १० से. १५ म. १० से. १५ म. १० से. १५ म. १० से.

वैवना उन्पा ह नौ ॥

रागलपा उनु रागलपा इति लको तेल फेरा ७ जार नगर्नु गौतमा फेरा ७ जार नगर्नु गह
तको शेलमा फेरा ७ जार नगर्नु दहि को पानिमा फेरा ७ जार नगर्नु बाहा पछि पातु दो
गरिपी दनु कुट्का पानु भांगमा भयो पनि लंका के सरिके जरा मा भयो पनि बेच्चार
मा भयो पनि ये कहत वेत्ता को सा डल्छ नि आधा गो हठ म निरा धनु अर्धमे ह
ममा धी बाहा माथी त्पो वं पान्नी म सा ला रा यि म सा ला माथी पाता रा धनु पाता मा धी
पेरि म सा ला रा धनु बाहा माथी पेरि गुह ठा हा नी दिनु र पोत नु र ले ला यो पछि त्पो पो
ली पा को माथी बाट को गुह ठा फाली त्पो वं ला वा मे फल्पा के हुं छ त्पो टि धनु र मा
गर्नु र धी उ बु वारि कार म सं ग ष न्ग गर्नु सा ना सा ना च कि व ना ह द्या म पा लु का उनु
मुक्का पछि तेहि च कि व ना या को टि पी भु डल्का हा न्नु र गुह ठा को आ ज मा पो ल्नु

रहि कनु रिक्का पदि असल मसाला कोर क सि भया प नि न भया अतस रा प अत
लस रा प मा सा छे ३॥ पहर स म म व ल गर्भ रि ठ ध्यो पानु वा हा प दि छु र्ता निको पात टिप्पो

आउपसामा आउपाकगन्पीइलाज
सौप्रभाग १ सुयेभाग १ तोषालिगुडभाग १
येतिसेकत्रसमभागगरि काय गरि पकाउनु येहाना वेलुका धान आउपसाके निको हुन्छ

सुदिमजुलाफगन्पीडोवधि.

सनाईभाग

१

हरिभाग

१

राजहृदकोउदीभाग

१

येतिथेकत्रकुटीधनोवनाइ ३ आ० गुलाबेजतिआउंछ उतिलीतातापानिसंगधानु सुदिमजुलाफुंछ

जुलाफकोवोषधी सनाईतोला — ५ दर्सीतोला — ५ गालकंद तोला — ५

सनाईर दर्सी दादी मा दासी माना — ५ पानी दासी व का डिनर माना पशु

नर तेस मा तोला — ४ गालकंद तोला ३ सखर दासी वे सगरी मु कुनु

र कप हिन गरी सुतन्या वे लामा धानु ५५५

नागरस्रको अनुपाश ———
मात्रालाल २ को जिराजाहफल संगमी लाइ चौलानी सग खानु सवै हर्ती रोग जां द्य मरुको अनु
पामगरि खानु र वायु गोलो जा पुनर्नवाकारस संग खानु र पांहु रोग जा तुलसि पत्र चिनि संग
खानु र चित्त धोति जा ॥ ० ॥

रस सिंदूर वना उन्पाह तो ॥ ० ॥
अली ग पवाठ कि का को पारो भाग १ ओला सार गंधक भाग १
नौ सा र मासा २ फुगी रि मासा २ सिमो मासा २
प्रहर मल गरि अलि कति निम्या को चुक हली वे स्र गरि बल गरि उ के रा क पर मधी गरि
राष्ठा को लि सि मा हा लि वा लु वा जंत्र मा हा ली ओ गो ला ह ही नु र ज से सी सी वार न्व की

राष्ठाको तिलिमाहालवा लुवा जत्रमाहाला आमाको र सुन्दर गङ्गाको पानी

कधुवा आउदा विता/ के गजतता हकनती सी भान चलाउदै रहनु हरियो रंछोडी रातो रंग चला
आमाहीन सन्म चलाउदै रहनु जव हरियो रंग छोडी रातो रं अलि अलि देखिन्छ बाह्र देखि छ रिको बीर
कोले मुख नुही कतिन चुन्पा गरि कुक पर नही धिनु धुवा कति ननी कसो स १४ प्रहसम्म आगे
पाली जाच धिनु बाह्र देखि दाउ एभीकी १६ न तेहि चुना मा सेलाउ नहीनु सेला या पछि अत्तन वा
लुवा वा र तिलि मिदि भीत्र को माल तिली फोडी जी कनु सी तिको मुख मा आह गो म बा भिया
कोती प्रभ यो भनि जांनु तिलिका पिन मार स्रो को क बाहु छ फेरि अर्को वान माउ लोड बल स
जव काउनु माना दिन को २ लात छ तरि टको विचार गरि ३ लात को पनि छ जुयो वध धिते स
बैरो गहरा गध धानु उद्धु छ ॥ ० ॥ ॥ ॥ ॥

रससीधरको अनुपाम ॥ ॥ रससिंधु को समभागः पिपला को रईः वंस
लोचनः २ प्रहर मे मालगरीषानु शुभ = इसको औसठि बाधा
माः मास फाटिकनः इसीन नुररयनी कानु भातको मादहालिकन पमावन
जुन कुरा को शठानि को लागक बाढ चले दिनु र जानुः शुभ

वनमागईले जो वसाको शुभ - गाल्पाई वु शुभ - गान लावनु आगो म बाधकी उन सु
ट सुगंध धुप दालनु आगो म बाधकि मासा भर अफी मलोना भर मरी वः दुर्
वई मीसीषा मगनु वार तोला व भुत मा मिलाई बा मगनु रः ई पंतीली व स धि सो

वदुलाहा कु कु र ले पाया ~~मा~~ माः। धतुरा सो वीया दुई र गे द का लो धतुरा
को पात मो र मजी कीः कालो गुं डं मा सी ला ई बान दिनु नी को दुन्द ५५५
आपी माला ग मा दु दषु वानु नी को दुन्द ५५५० धतुरा को वीया पाया माः
ता वो ड गाली द हि षु वान नी को दुन्द ५५५० भा गर ग सी ला ग मा ल द्या मो
ज शेष वान नी को दुन्द ५५५० ती वर ला ग मा ल स न षु वानु नी को दुन्द ५५५
दात मो वषती ॥ ॥ नु त्र र को अं त्र र हा ला ल्यां ग की व ला म शी व ष ये र सु ठोः
गे ती सी ला ई व का ड न रः दात मा द ल नु नी को दुन्द ५५५०

जो सा मा मा इ ज वा उ न र : दा त मा द म नु ना ना दु ङ्क ५११ —

जो ड को वा व ल फ ली सी क नु । अ ली क ती न पा क ल्य ग री म त नु नु र म सी नु ग री
पी स नु : जी रा फ ली वा व ल् सी क नु : अ ली क ती म त नु र म सी नु ग री पी स नु
जो ड को स त नु र जी रा को स त नु दु ई सी ला ई वे हा नु मा त न षा ई : वी स्यो पा नी
स ग षा नु र ग री ग द्यो को नी को दु ङ्क ठं द्या दु ङ्क ५११ —

सं स्धी पा त अ य मा व ष ती ॥ ॥ का म लो जो ली ष रा नी तु ल्या व नु र
इ स ई मा प रे वा को फु ल हा ली र गाली षु वा ई दी नु की को दु ङ्क ५११ =

दोष संछी पात को ई लाज ॥ माछा को पीत लाला ॥ २ कसूतु सी लाला व
मी साई मसुनु गरी पीठ नु ॥ २४ ई पानी माहा मसिनु गरी पीनु मायाती
नवार गनु नी को दूह ॥ २५ ॥ दात मा की रो लागा माः मेह दी मसी
नु गरी पीसीः दात मा व साल नु नी को दूह ॥ २६ ॥ दात मा किरा लागा
को वष छीः त मा छ को वो ट मा ज्या की यु दाई छः सो किरा लाई क प श मा बा छी
आई म गल वार पा सी न दु म न्या का प टी कान मा ऊ न्या ई दि नु नी को दूह ॥ २७ ॥
आई त म गल वार पा सी दु लो मी छु डि को पुजा अ दा ता ले ज नुः मा नु ज रा ला ई न दु न्या का
न मा आई त म गल वार पा सी धा जो ले वा छी छ प दा ली ऊ न्या ई दि नु नी को दूह ॥ २८ ॥

न सा आई त मंगल वार का सीधा जो मेवा ठीक पदा लोऊ जई दिनु नीको दु दु

आमा को वषती: जा प त्या को जात सा छोडु मा सी मोर स ला उ दे से का उ दे जनु: फेर
तीन ला उ नु र: आ जो सा प्रोल नु जा क जनु: त्य दि **आम** क वा क सी को दु द सा छो ३ टी
अं ज न ला व नु नी को ह २५५ = ॥ र सा ये न ॥ वु नो को अं त र छाला ल्या ई प का
व नु: ते स ई र स क य छी न ग नु र के री ते ई २ र स प का उ नु र वा क लो ज नु ते स ई
र स सा म द सा सी ला ई सा ल्या ये क ते सा रा व ना उ नु र र गत सा सी द ल्या दु न्या ला
ई कानु दि नु नी दु नु २५५ ॥ ते ई ग र सा ये न सा: प ये र द र क स सी री
मी सी ला दा ली बल ग री त ता ई आ मा पा म्या मा आ मा मा थी ला ई दी न
नी को दु नु २५५ = ॥

आई वार ती से न दो वार पासीः नाथ को त्याग्याईः ते स ई कोर सः से तो
कोर मालाई दिनु दुई वार केराः ते स ते दिन पासी मालाई नु नी कोरु २५

सद को पीते मासा — ५ कतुरी मासा — ५ मुदितोला — ३ व दाम तोला — ३
के बा फ वी नी तोला — २ के सर मासा — ५ ध नी जा तोला — २ लुवा ग तो
ला — ५ कुल न ज न तोला — ५ क पुर मासा — २ कु स म तोला — २ अ लै वी तो
ला — ३ नु रु मे ल तोला — ३ म सी नु ग री म ल ग री पानी दाली धी ध नु
भी जा घा को के डाई का जे डा ज त्रो व सी का ध नु दि ई दो माता ता पानी म अ धा नु
ज मी दिन मा वी लो पानी सी त पा नु हा द म द व्या को जोर जा वी म जोर जा २५

जमी दिन सावै लो पानी सीत पावु हाद घाद व्या को जो रजा वी बम जो रजा १५५

पीना सकोष की बतीः॥ समुद्र फल भाग आधा ॥ जाई फल तोला ॥
पीना भाग आधा ॥ मरीच भाग आधा ॥ सुठि तोला ॥
लुवा ज तोला ॥ सेवा ली तोला ॥ काफल को दो को तोला ॥ ३
मी सुको ज रा सो दो को तोला ॥ ३ सुती तोला ॥ २ छे ती थो रु वे स गरी
वीही बल ग रु त सली नु नी को दुन्द ॥ १५५ ॥ के सर मा ला ६ मी श्री मा ला ६
सुठि मा ला २ मरीच ~~मरीच~~ दा ना ५ छे ती ओ स हि बल गरी न
सली नु वि ना स नी को दुन्द १५५ ॥

जेह र वाद भयाः दाहिना पटि भया वाई पटि माका ही ज्योली कानं र मा
सुका जोर मा वरीत ताई दासी दीनुः वाई पटी भया दाहिना दात का काही ज्यो
ली कानं र मा सुका जोर मा दासी दिनु १०००००

पानी धो रे मा ज्यो भया पानी छुटान्या द दोटी दोजा नु रोजी मा दो लाई
मोथे तोला — १ देरी तोला व केरुवा मासा — ६ ईसी को बर तोला — १
श्री पद तोला १ सुगंध वाल तोला — १ सुठो तोला — १ घृती थोका सी
साई धुलो तु लाई मा ब्रा मासा — ६ पानी मान छ पकाव नु माता २ चटाई
ई स मनु पानी को प्यास लाज दा कानु नीको दुक् १००० — — —

श्री गीता को ईश्वरः कपूर तोला — च लुबाग तोला — ६ श्री गीता राज
 तोला — पर दरी तो अला तोला — ७ ६ गोवे गले वे लें मसी नु गरी की धनु
 केरी लुबागर र सकपूर मि साई वे सं सा फ गरी जाल गर्नु केरी पदि
 वाट श्री गीता राज ईतीन थोक मीला ई जाल गर्नुः म के मादा नाव से वर
 पानु अरु ला वनु ते लन पानु नहु नु त अत थोक स वे पानु २५६ ॥
 दुर्नी पृष्ठ के सर वन तोरी — दा री म को फुल न अला वो आ
 गोवार ४ थोक पानी सां श्रीता ई स वनु न सली नु पान स सधानी को दुन्द ॥

गमिप्रिगिकेफोषदि ॥ ॥ बुठि^०मि^०गिर^०वा^०दे^०रि^०वा^०ने^०मा ॥ १०

२॥ वासुदेवो नामो भगवते ॥ १ ॥

॥ तोला ॥
 ॥ यही श्री गुरु ॥
 ॥ यही तीन थोरुं औं धर्म समगरी धर्म गुरु वरी ॥
 ॥ वनाई नो नो लारी धर्म ॥

फर्सु रिताम ~~...~~ स्वकी अस् २
 वना इताता जातो सज मनु ता तो पा नी तो ला ट व
 सिव पा नी ली द न ओ ला को ती स स यो ग न

येतिथेकाप्रसिद्धमरिचकगुणविषयानुविष्टोपादिमात्रेणलक्षणानुविष्टोपादिमात्रेणलक्षणानुविष्टोपादिमात्रेण

अथ श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥ १८ ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥

[illegible]

~~मन्त्र २५ विविक्त~~

घाउ-षट्शत कि ए प-या को मा कि ए नार-या ओ सधि-आरु को रा
त को र स हा लि दि नु-सवे कि ए रु र्ध — — — — —



जाई फल तोला — १ जाई फली तोला — १ जुव ग तोला — १ मरी व तोला — १
सुठो तोला — २ फी छला तोला — १ जुवानु मूठी — ३ सोय मूठी — २ दूरी
तोला — ॥ मूंरी तोला — ॥ वरें तोला — १ अवीला तोला — १ ॥ ज़ी शे तोला — ॥
मो ध तोला — १ धनी आ तोला — ॥ कावोला हा तोला २ विस्मानुन तोला २
येती सब सी साई कन पल गनु मसीनु भया प ही की की मासा — १ सो मा गरी
ता तो पानी स ग पानु जोरो भया मासु कोल स ग पानु अमीलो की शे दरी शे
मास मो दाल येती पो क न पानु — जोई पानु जसु ती का वा लु को हो १११ —

उत्ताम् ॥ सञ्जितोत्ता १ सोध्याको अ प्रतासा र गन्धकतोत्ता २ शुद्धोत्ता ३
पिपतासा ३ गरिच सासा ३ हरे सासा ३ वरे सासा ३ अप्रतासा ३ सो
ध्याको अ जै पालतोत्ता ८ तुत्ता हरे तोत्ता ३ रति सवै पिन्दिक पद्विन
गरि रति १ रति २ रति ३ वल हे रिक न ठे रे थो रे दिनु चिसा पात्रि सै ग दि
या तुत्ता पूर्ण ह्य ताता पात्रि दि या वं धर्त ह्य

प्रथम रक्तमासी को ईलाजः प्राय को वो को को धा भाग २ मोली को ज रे भाग ५
जे ती भे सी काम दि सीत मा नु दि नु रज मा सी नी को दो वें ५५ ना सी से र मा
फुल को चु न भाग ५ जी रे भाग ५ ध आर को फुल का चु री भाग ५
गुरा स का फुल चु री भाग ५ सी म ल को को ठे का चु री भाग ५
आर को ल को गे डा का चु री भाग ५ क द ली का फुल का चु री भाग ५
दारी म को वो को का चु री भाग ५ पि डार को फुल का चु री भाग ५ प छान ५
भे द को चु री भाग ५ गे ती सं म ग सी वा की का दु द मा म थ नु अ मा मा पु मा न
व सी वा ध नु भे सी काम दि स ज मा नु दि नु रज त म सी नी को दो वें ५५ मा मा या सी धे
आ ड व की नी को दो वें ५५

आ ५ व द नी को दो दो ५०००
 अथ वषात्पाद सान को ब ई लाजः दु मरी को वो पः वा क का दु द मा म र्थ
 पान् दिनु ई ता नु गरी च डा २७ पानित हु त्या ई नु प षालो थामीयेः व षा
 जाल्या दे आ न जाः वी षाला प री ५०००
 अथ ई छाल थामीन् ईजाः गहु सात के वे र व षाल नु माना २५ पानी
 सोली व का ई प ला ई न वा नी पानी माना ३२ र हो स लो पानी ई क
 ल हु न्या ला ई पानु दिनी ई छाला थामीयेः ५०००

अथ वज्राद्यादेस्तान्कोम ईलाज्ञः दुर्मसि को बोधः वाक्कमादु दमा म र्त
मान् दिनु ईताहु गरी चडा --७ पानित हुत्याई नु लषालो कामीयेः यथाभा
जाया दे आननाः श्रीपाला परीक्ष्य ०२४

अथ ईश्वर आसीत् ईजाः गुरुसात केवेर पषालनुमाना—२ पानी
सासीनका ई पसाईन वासी पानी माना—३ र होत तो पानी ईका
लहुन्याला ई पानुदिनी ईकाता आसीयेः ४४ — — —

अठ्ठाश को अयाको भलाको पाक दुन्या मंत्रं वासु
भी आ अठ्ठाभुत बाबा कीया भस्मा गजाई स्वर माहा देव को वावा
येट साख शनी लाई ये स मंत्र त र ले २७ वेर मन्त्र रनु कक अ
पाक भयाको पाक सो ब्रह्म ५५५-

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

अथ कांमंजो जो कोई लाजः आईत मंगल वार प्रभात अंगमा वस्त्र
नशरी कम सोलाका जार पानी ले सधे पर पर कसा कोटि पीया ईनु
पीतवर्ग का धागा ले सात डारा हामी वेष्टीत गर्नु तल को धुष दिनु गला
बांधनु काम ज्योर छुट्छु ५५ - छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ
आईत मंगल वार वलु को पुर्व दिशा मो जरो अक्षौ लो पे पूजीया ईनु
तेले को धुष दिन गला बांधनु सर्व ज रोजा ५५ छ छ छ

पञ्चमः पञ्चाङ्गः ॥ २७ ॥ ॥ १० ॥ ॥ १० ॥

अठगानुकोईलाजः वोटुल पात्याकोजरो अईसंगलवार अकोताले
पुजीओषधीअनीलाईनुषानदिनुगानुजानीकोहोये॥६६६॥
सीदुत्याकोवोकाभाप य काफलकोवोकाभागव मैदलकोवोकाभागव
येतीओषधाकुटीआईसंगलवारषानुदिनुवजुगानुनीकोहोये॥
आईतसंगलवारः ॥टीमुरकोजरोअकोतालेपुजीअनुपदेलाआगा
वेसीतगरीधुपदिनुनाभीमावाधानुगानुकदिलेपनीजादेननीकोहू
हीईमाजारकोरसआईतसंगलवारषानुदिनुवादेभातषानुगानुअ
कोनीकोहू॥६६६॥= ६६६६=

राम

धरषर्वसर्वैर्जं मा फो तप सिल

भितरिया मस्तारि जिगु जना १ - केवचजंमा - २ - पै - वा

मर्फर धोज केवर्व - जंमा - २ - पै - वा

परतापसिंग केवर्वजंमा - २ - पै - वा

वषतसिंग केवर्वजंमा - २ - पै - वा

सेरजग केवर्वजंमा - २ - पै - वा

ॐ अङ्कत की पीर अङ्कत की रगत
शरी फूर मंत्र ईश्वर की वाचा फूट
स्वाहा ॥ वेमारी को ना उभै मा ले

लेखी ७ फेर भस्म ले

शरी दी नु गउ सरी हु

न पसे को नी को हु हु

अम (अम) अम अम अम —
 महमि एल संग अम वा तपु मे हजा — १
 एल अम को अमि एल संग अम वा एलिको हजा — २
 एल संग अमि संग अम वा एलिको हजा — ३
 मि एल वं लो च नु अमि एल संग अम पि नजा — ४
 मि एल १३ एल संग अम पि न प्र मे हजा — ५
 एल तो पना वि संग एल वा पि नजा — ६
 मि एल मह वदाम संग अम वा क मजा — ७
 पि पला वं लो च नु संग अम वा हजा — ८
 एल तो पना अमि व संग अम मि हजा — ९
 एल तो को अम मह संग अम वा तपि नजा — १०

अम अम लो च नु मह संग अम वा तपि न प्र मे हजा — १
 एल को लो च नु मि एल अम वा एल गमिको — २
 एल मि मि एल लो च नु संग अम वा एल गमि — ३
 वि एल गमि मि एल अम वा वा तपि न प्र मे हजा — ४
 लो च नु अम वदाम संग अम वा क म पि नजा — ५
 एल मि संग अम वा एल गमि — ६
 क म लो च नु पि पला मह क म वा लजा — ७
 एल को लो च नु को लो च नु क म लो वा नजा — ८
 एल को लो च नु को लो च नु मि व संग अम — ९
 एल मि मि एल संग अम प्र मे हजा — १०
 एल तो अम लो च नु संग अम वा तपि नजा — ११

अष्टांगसंग्रहस्य नमः ॥ साठे ३ हातको कालो सर्प ल्याउनु उल्को मुषव चार्ह आंगना च उचोह
 नलगाइ कन मानु सवासेर पारो उल्का मुषवाट पेटमा पीलाउनु पारो न निस्कन्या गरि
 उल्को मुषवाधि दिनु साठकाठला हाडीमा सर्पहाली जस्तो गरि सर्प अघि पछि वरु व
 उल्ले गरि गुडु ल्याइ दिनु येहि हाडीको मुषवाधि न निस्कन्या गरि ७ फेरा कपर मटिहीनु के
 कमाथे साठे चार हातको घाड लवनाउनु आधा गाइको काचो गोबर आधा भैलिको का
 चो गोबर आधा घोडाको काचो लिदि वाहो देखि रतिने जातको गहुर् गुरलि आधा आड
 लमाका चो गोबर हातीनु फेरिने हि गोबर माथी हाडि राखनु फेरि आधा गोबर माथी हाती वा
 इल भर्नु फेरिने हि गहुर् आधा तल आधा माथी हातीनु ८ तपो हात न्याका गपंचमीको
 रीम हो अर्को ना गपंचमीको रीम रिक्नु तपो हाडी हात दा तपो सर्पले व्याको कागत् उतर
 मुषवाटि टा सिदिनु ९ अं दुध्यामन्याको शर माना र सुक्काको पहिले तपो हाडि मित्र हाती उहि शरमा
 हाडी भित्र धिर सर्पको लाइ गुडु ल्याइ कन राखनु वस दिन पछि रिक्नु १० ताहा भित्रको मुष

जिन्हि हाइराली तपोमान राखनु नागपंचमीको दिन मान पाया भातु नृपंचमी दुन्दुवे सरदी
नृपारिबनाया पनिहु छ

अमला को ~~शुद्ध~~ पानि सा पि स. गह. मिथ. सिल. २. १५ दि
१७ वा ३७. भेन प्रद र नि को हो

ASHA ARCHIVES

आशा अर्चिव

2442

इरल को मंत्र ॥ ॐ राधिकामा इ का चेला सात भाई परा सुरगोत्र लोहा सुर नाम से कु
चेरो वनाई यहि इरल वडा शी फुर्म हा देव की वाचा ॥ यो मंत्र ३ वा
जी भनी ७ फेर भस्म ले फुके पदी इरल भये को नी को इ-इ